



**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**निबंध**  
**ESSAY**

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250

**सामान्य अनुदेश**

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

**General Instructions**

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01101662

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Abhishek Singh

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी  
Medium: Hindi/English

English

तारीख  
Date

31/08/24

**निबंध**  
**ESSAY**

केंद्र  
Centre

Korol Bagh  
Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर  
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;"><b>महत्वपूर्ण अनुदेश</b></p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;"><b>Important Instructions</b></p> <p><b>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</b></p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**निबंध**

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

**प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश**

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

**ESSAY**

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

**All the Best**

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हों :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

### खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।  
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।  
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।  
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।  
The will of the people cannot make just that which is unjust.

### खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।  
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।  
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।  
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।  
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।  
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।  
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।  
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।  
The will of the people cannot make just that which is unjust.

P. T. O

Technology, like art, is a soaring exercise of human imagination.

उम्मीदवारों को इस हशिप में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

In August, 2024, a miracle took place in the eastern edge of the world. A doctor from Hong Kong, performed a 3 hour long liver transplantation. The patient was in a hospital, 6000 km away, in Kashgher, located in western fringe of China.

The surgery was performed through remotely controlled "cyber-physical system" — 1st in the world.

The above event demonstrates how technology, just like human imagination, knows no bounds.

Technology, since time immemorial, is compared to art. It is stated that the underlying responsible for the development of both is same. But what actually makes them similar? Is it the patrons? Is it the roles? Or is it the common need?

Actually, it's neither of the above mentioned things. It ~~is~~ is the soaring exercise of human

imagination that make them alike.

Leonardo Da Vinci's famous work of art "Mona Lisa" apart from its eternal beauty, is known for giving the concept of "golden ratio".

which has revolutionised technological space. The ratio in today's world forms the basis of modern tech product design and architectural strength.

Hence, it was the human imagination that led Vinci to contribute significantly to art, while though unknowingly, led to the advancement of technology.

The imagination led technological development, has been compared by Elon Musk in the following way:

" Technology is the closest thing to magic in this world "

Human race has benefitted immensely from this imagination led revolution (magic).

Be it the development of 'microliths' in mesolithic age, to the development of 'wheel', the 'steam engine' in 1760's to the semi conductor revolution of 1980's.

These developments has helped human race in survival, dominate its environment, improve standard of living, achieving inclusive growth and general peace.

The advancement of human race and proliferation of gudgets is proof enough that technology is the present and future of human existence. But as imagination has no boundaries, does technology also has no limits?

Every time technology is found to be stagnating and there's no hope, a new development occasions the world

which pushes the boundaries of science and technology.

Nikola Tesla, "the forgotten genius"

invented "alternating current" when world was struggling to overcome challenges associated with, Edison's developed, direct current (d.c.).

As Tesla puts it, that the invention was the result of his imagination and not any scientific knowledge. There was no such concept that existed (like a.c.)

Even Einstein's profound emphasis

on imagination as a source of technology development can be gauged from his famous quote:

"Imagination is more important than knowledge. Knowledge is limited, for imagination encircles the world"

The advent of industrial revolution in 1760, followed by three industrial revolutions in 1860's, 1960's and

the current undergoing Industry 4.0

based on confluence of "cyber and physical system" — is testament enough

that, just like imagination, technology has no limits. But unlike imagination

technological growth is discontinuous and takes place in as "chain of disequilibria".

Imagination, inherently, being a state of mind, hardly has any negative consequences on human's sustainability and survival. But unlike imagination, technology has been called a "double-edged sword".

Though inspired from imagination, implementation of technology by human minds have led to some detrimental effects on earth and human's alike.

When Oppenheimer exclaimed " Now I become death, the destroyer of the world", after the successful completion of Manhattan Project, he realised what nuclear power could do in the world obsessed with arms race.

The green revolution - technical revolution in agriculture, that saved India from hunger and import dependence in 1970's, today is the cause of pollution, water stress and decreasing agriculture systems resilience.

The concerns of privacy intrusion, social profiling, gender discrimination and systemic social exclusion - with

The development and incorporation of Artificial Intelligence (AI) models in day to day governance, market system, has questioned the legitimacy and efficacy of technology.

The great american proverb which says " Technology is a great servant but a poor terrible master " clearly highlights the peril involved if technology is misused or starts dominating humans.

Therefore, clearly laid out ethical guidelines along with strong oversight

of development as well as use of technology, is key to achieving <sup>it's</sup> the basic aim of "betterment of human society and social welfare".

The following quote from Brahadronyaka Upanishad could be used as a guiding light -

"Asato Ma Sadgamaya,  
Tamaso Ma Jyotirgamaya"

(From unrighteousness to righteousness,  
from darkness to light)

खण्ड – B / SECTION – B

उम्मीदवारों को  
इस हिसाब में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।  
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।  
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।  
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।  
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

P. T. O

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

Ancient Athens, Greece, became the ground for revolution in the sphere of nation - state selection and governance. A sage like figure, going by the name, Aristotle, questioned the legitimacy of existing state and aristocracy. He brought forth the defects and shortcomings of then existing establishment. As a result, the authority put him on a "death trial". Aristotle happily consumed the "poison hemlock".

than changing his views regarding the existing dispensation.

Thus, Aristotle epitomises the adage of being yourself in a world that is constantly trying to change you. He stood up to his belief of:

"An unexamined life is not worth living."

"Being oneself", though a <sup>simple</sup> ~~simply~~ sounding verb, entails a chain of virtues and qualities required in an individual to comprehensively remain true to it.

What does being oneself (To be yourself)

mean? Does it mean to remain aloof to new knowledge, new information and new changes? No! It means to be true to your fundamental morals and ethical standards even in the face of adversity and threat.

Buddha while wandering in search of "Nirvana", met proponents and patrons of many heterodox sects, like Ajeevika's Makkali Ghosal, who tried to change Buddha into a follower of the sect.

But since the core principle of Buddha did not align with the sects philosophy — he resisted change & influence and thereby remained true to oneself.

Similarly, Mahatma Gandhi remained true to his core value of non-violence even after being at the receiving end of British brutalities. Calling off Non-cooperation movement is a strong testament to the same.

The inherent question remains unanswered. Why does the world tries to change an individual, society, existing system into something else?

The basic explanation behind that behaviour is being "status quoist" i.e. being resistant to change. Anything novel or something that disrupts

current social order is met with rebuke and force. The resistance also stems from the irrational fear of being left behind of being not able to adapt to changes.

When Mahsa Amini, a 22 year old undergraduate student in Iran, tried to assert self-autonomy, while by not wearing a hijab in public, the Iranian moral police detained her. The ~~torcher~~ <sup>torch</sup> that followed led to her custodial death.

Similarly, post independence when India challenged the world, by establishing a socialist form of government, while

the <sup>whole</sup> world was divided into two camps of Capitalistic - led by U.S.A and Socialistic Communistic government led by U.S.S.R, it was said that in few years India would be a failed state - a poor prophecy to say the least!

Both the incidents show how the world tries to change anything novel be it individualistic or on a systemic level.

But, why does not changing even under worldly pressure is considered a greatest achievement?

It is because of the rarity of the event. It is <sup>also</sup> because of the

impact that such action have on individuals and world. The impact could be social progress, revolutions, changed meaning of human rights and even women empowerment.

Ambedkar, being true to himself, while facing threat and adversity, championed the cause of equality, non-discrimination and removal of untouchability. This had a profound impact on post independent polity and the country's Constitutional architecture.

Even in contemporary times, when the entire world is expected to choose between Russia and Ukraine, India

maintains its "strategic autonomy" and acts as a guide to third world countries in dealing with events having geopolitical repercussions.

Both the events shows the impact and a new path laid out for the world, by being true to oneself and resisting changes - hence can be considered as greatest accomplishment.

However, being oneself and resisting change is not always for the good. Sometimes it has led to more challenges and problems rather than positive effects.

India faced an economic crisis  
in 1991 due to its inability to accept  
flaws in its socio-economic setup.

The inward looking policies that stemmed  
from self centred belief (being yourself)  
of being socialistic and refusing any  
international involvement led to the crisis.

Similarly, during covid times when  
the world was opening gradually with  
controlled actions, china followed a  
"zero covid strategy", without realising  
or accepting the inherent defects in the  
strategy. International best practices were  
thwarted and pushed away as external  
influences. The result, as we <sup>see</sup> today,

is slow economic growth, high  
unemployment and low foreign investment  
in the country.

Hence, there should be a balance  
between not changing oneself ~~and~~ —  
being true to our values, and  
accepting change — <sup>to</sup> ~~and~~ changing oneself.

The decision should be based  
on reason, intellect, ethics and  
impact on overall societal progress  
and welfare.

This balancing act is clearly  
put forth by a very famous

epitmet that goes <sup>in</sup> ~~by~~ the following way :

Yesterday I was intelligent, so I wanted to change the world,

Today I am wise, so I am changing myself.

— RUMI

SPACE FOR ROUGH WORK

Hypertrop  
E-mob  
H2-buse dar  
AI, ML

Technology, like art, is a soaring exercise of human imagination.

Doc → Kashghar → surgery → liver transp (HK)

~~tech, like art,~~

What makes tech & art alike?

→ Imagination, no boundaries, break the exist rules

Nikola Tesla beyond  
Edison's DC

DBT → directly

Is there a limits to tech / imagination? Benefits to human race  
survival, stand living, prosperity, overcome challenges.

Is it always beneficial for human race

- Fossil fuel → (I.R) → CL
- Green Revol → water sure
- AI/ML → screenig, privacy int, social kenge, racial probilig. etc.]

Ag

Political : EVM, VVPAT

Geogm: <sup>ocean</sup> fertilis, cloud seedg.  
Env: CCUS, HYV seeds

~~AI crops~~ M

Health : mRNA vaccines  
microscope → xenotransp.

Ed<sup>n</sup> : sevot → red acces  
activity based, PrADISHA,  
MOOC, SWAYAM / cross border

Social : face id, JAM, A  
inter +UPI, DBT

legu : e courts, LIUBS,  
e-Prison

Science : Mars, ~~sub~~ Chandra  
Aditya1, JW0 obser,

Econ :

1 Doc → HK → Kashgh (6000km) → liver transp

2 ~~Tech~~ What makes tech/art alike?

2 → Benefits accrued to human race?

2 → Is there a limit to tech growth, as imag's does not? conveyorbelt → autom → CPS.

www.visionias.in

→ Precutions - Double Edge sword.

Incl 4.0  
CPS

[Tech is a great servant but terrible master.]

Tech is the closest thing to magic in this world.

(Gandhi. frut) (Brahma Upan 30)

# SPACE FOR ROUGH WORK

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

What do men yearn for?  
Econ.

Why the world constantly tries to change

deviation from norm?  
lat behind

→ change is risk  
→ Order is preferred  
→ status quist  
→ lack of any

any unique  
why not change?

→ greatest achievement

→ few achieve  
→ new path  
→ Revolution  
→ Social progress

Is not change always for the good.

India → economic crisis of 1991

China → covid (zero <sup>covid</sup> ~~case~~ <sup>base</sup> policy)  
→ econ. gr, invt, unemp

Try: Reason, ethics, betterment of society

Balance b/w em unemp & inflation

① Question/Arguments

① What do you yearn to be yourself?

② Why world try to change you?

③ Why not Δ is greatest achievement

④ Is not Δ aim for the good.

Ex

Artshoke (Poison Herlock)

Bodha (Ajeevika)

India (US → Russia  
China)

Gandhi → secretly end  
Brit → non-violence.

Ambedkar

Econ: Capitalism  
& Ind Socialism

2022  
Bhoomi  
Mahisa Amini

Jack Ma quote.

Rumi  
↳ end quote.

SPACE FOR ROUGH WORK



VisionIAS